ड्डों की संख्या : 12

....

901

801 (MB)

2020

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई **एक** कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1

(i) श्रीनिवास दास ख्याति प्राप्त नाटककार थे ।

(ii) 'चिन्तामणि' के लेखक हरिकृष्ण 'प्रेमी' हैं ।

(iii) 'झलमला' कहानी संग्रह के लेखक पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी हैं ।

(iv) गोविन्द वल्लभ पंत, भारतेन्दु युग के प्रमुख उपन्यासकार हैं ।

VERTEXAL

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी *एक* कृति के रचयिता का नाम लिखिए : 1

(i) रस मीमांसा

(ii) एक घूँट

(iii) शिक्षा और संस्कृति

(iv) कलकत्ता से पीकिंग

(ग) 'वट पीपल' के रचयिता का नामोल्लेख कीजिए । 1

(घ) 'नीड़ का निर्माण फिर' किस गद्य विधा पर आधारित रचना है ? 1

(ङ) रिपोर्ताज साहित्य विधा के किन्हीं दो लेखकों के नाम लिखिए । 1

2. (क) 'रीतिकाल' की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2

(ख) 'छायावाद काल' के किन्हीं दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए । 2

(ग) 'प्रयोगवादी' काव्यधारा की किसी एक प्रवृत्ति का उल्लेख कीजिए । 1

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी *एक* गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) जहाँ बेरहमी है वहीं दया का समुद्र भी उमड़ पड़ा, जहाँ पाप है वहीं क्षमा का सोता फूट पड़ा है । राजा और कँगले, विलासी और भिक्षु, नर और नारी, मनुष्य और पशु सभी कलाकार के हाथों सिहजते चले गये हैं । हैवान की हैवानी को इन्सान की इन्सानियत से कैसे जीता जा सकता है, कोई अजन्ता में जाकर देखे । बुद्ध का जीवन हज़ार धाराओं में होकर बहता है । जन्म से लेकर निर्वाण तक उनके जीवन की प्रधान घटनाएँ कुछ ऐसे लिख दी गयी हैं कि आँखें अटक जाती हैं, हटने का नाम नहीं लेतीं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) कलाकारों ने किसके जीवन का चित्रांकन किया है ?

(ख) यह एक नैतिक और आध्यात्मिक स्रोत है, जो अनन्त काल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पूर्ण देश में बहता रहा है और कभी-कभी मूर्त रूप होकर हमारे सामने आता रहा है । यह हमारा सौभाग्य रहा है कि हमने ऐसे ही एक मूर्त रूप को अपने बीच चलते-फिरते हँसते-रोते भी देखा है और जिसने अमरत्व की याद दिलाकर हमारी सूखी हड्डियों में नई मज्जा डाल हमारे मृतप्राय शरीर में नए प्राण फूंके और मुरझाए हुए दिलों को फिर खिला दिया । वह अमरत्व सत्य और अहिंसा का है, जो केवल इसी देश के लिए नहीं, आज मानवमात्र के जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक हो गया है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) लेखक गद्यांश में क्या संदेश देना चाहता है ?

VERTEXAL

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी *एक* पद्यांश की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1+4+1=6

(क) दिसिकुंजरहु कमठ अहि कोला,
धरहु धरनि धरि धीर न डोला ।
रामु चहहिं संकर धनु तोरा,
होहु सजग सुनि आयसु मोरा ।।
चाप समीप रामु जब आए,
नर नारिन्ह सुर सुकृत मनाए ।।
सब कर संसउ अरु अग्यानू,
मंद महीपन्ह कर अभिमानू ।।
भृगुपति केरि गरब गरुआई,
सुर मुनिबरन्ह केरि कदराई ।।
सिय कर सोचु जनक पछितावा,
रानिन्ह कर दारुन दुख दावा ।।
संभुचाप बड़ बोहितु पाई,
चढ़े जाइ सब संगु बनाई ।।
राम बाहुबल सिंधु अपारू,
चहत पारु नहिं कोउ कड़हारू ।।

(ख) टूटी है तेरी कब समाधि,
झंझा लौटे शत हार-हार,
बह चला दृगों से किन्तु नीर
सुनकर जलते कण की पुकार !
सुख से विरक्त दुख में सँभाल !
मेरे जीवन का आज मूक,
तेरी छाया से हो मिलाप,
तन तेरी साधकता छू ले,
मन ले करुणा की थाह नाप !
उर में पावस दृग में विहान !

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी **एक** रचना का नाम लिखिए : 2+1=3

(i) जयप्रकाश भारती
(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी **एक** रचना का नाम लिखिए : 2+1=3

(i) सूरदास
(ii) बिहारी लाल
(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

6. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+3=4

वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे-गेहे विद्यायाः दिव्यं ज्योतिः द्योतते । अत्र अनेके आचार्याः मूर्धन्याः विद्वांसः वैदिक वाङ्मयस्य अध्ययने, अध्यापने च इदानीं निरताः । न केवलं भारतीयाः अपितु वैदेशिकाः गीर्वाणवाण्याः अध्ययनाय अत्र आगच्छन्ति, निःशुल्कं च विद्यां गृहणन्ति ।

अथवा

नीर-क्षीर-विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः ।

VERTEXAL

7\. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कंठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1=2

(i) भारतीय संस्कृतिः का संगमस्थली ?

(ii) न्यायेन कः वर्धते ?

(iii) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?

(iv) ज्ञानं कुत्र सम्भवति ?

8\. (क) 'करुण' **अथवा** 'हास्य' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

(ख) 'उपमा' **अथवा** 'रूपक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

(ग) 'रोला' **अथवा** 'सोरठा' छन्द की परिभाषा तथा उसका उदाहरण लिखिए । 2

9\. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं *तीन* के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1+1+1=3

(i) अन

(ii) अप

(iii) अनु

(iv) उप

(v) सह

(vi) अभि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रत्ययों का प्रयोग कर एक-एक शब्द बनाइए : 1+1=2

(i) त्व

(ii) ता

(iii) पन

(iv) हट

(v) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* के समास-विग्रह कीजिए : 1+1=2

(i) प्रधानाध्यापक

(ii) पीताम्बर

(iii) सप्तसिन्धु

(iv) खरा-खोटा

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2

(i) खंभा

(ii) आँख

(iii) कछुआ

(iv) चाम

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1+1=2

(i) कमल

(ii) गंगा

(iii) दिन

(iv) नदी

(v) पुष्प

VERTEXAL

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) अस्य + एव

(ii) पितृ + आदेश:

(iii) रत्न + ओघ:

(iv) मधु + अरि:

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप तृतीया विभक्ति बहुवचन में लिखिए : 1+1=2

(i) फल **अथवा** मति

(ii) मधु अथवा नदी

(ग) निम्नलिखित में से किसी *एक* की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

(i) पठतु

(ii) अहसताम्

(iii) द्रक्ष्यसि

(iv) पचामि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1+1=2

(i) सागर के उत्तर में भारतवर्ष है।

(ii) प्रात: उठना चाहिए।

(iii) सदा सत्य की जीत होती है।

(iv) मैं आज घर जाऊँगा।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी *एक* विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) जल संरक्षण की आवश्यकता

(ii) मेरा प्रिय कवि

(iii) यातायात (ट्रैफिक) नियमों का पालन

(iv) छात्र जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(v) बेरोज़गारी की समस्या

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी *एक* प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर सम्राट अशोक का चरित्रांकन कीजिए।

VERTEXAL

(ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'पृथ्वीराज' सर्ग की कथा लिखिए ।

(घ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संघर्ष' सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) (i) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

(छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ज) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष का चरित्रांकन कीजिए ।

(झ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'आयोजन' सर्ग की कथावस्तु प्रस्तुत कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

VERTEXAL